<u>आफरी में हिन्दी पखवाड़ा (13 से 27 सितम्बर 2013)</u>

वैज्ञानिक शोध कार्यो के परिणामों को हिन्दी में आमजन तक पहुचाने से ही इनकी सार्थकता सिद्व हो सकती हैं, ये विचार आफरी निदेशक डॉ. त्रिलोक सिंह राठौड़ ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर में 13 से 27 सितम्बर तक मनाये जाने वाले हिन्दी पखवाड़े की शुरुआत करते हुए व्यक्त किए ।

डॉ. राठौड ने सभी से हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने का आह्वान किया । इस अवसर पर आफरी के हिन्दी अधिकारी ने बताया कि हिन्दी पखवाड़े के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई । कार्यक्रम की शुरूआत में 13 सितम्बर को प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित की गई ,जबकि दिनांक 16 सितम्बर को अनुवाद प्रतियोगिता एवं 17 सितम्बर को निबंध प्रतियोगिता आफरी कर्मियो के लिए आयोजित की गई जिसका विषय "**दरकते मानव मूल्य एवं बढ़ती हुई अपसंस्कृति**" रखा गया था ।

पखवाड़े के तहत् 18 सितम्बर को सामान्य प्रशासनिक ज्ञान प्रतियोगिता, 20 सितम्बर को हिन्दी में वैज्ञानिक गोष्ठी सह हिन्दी कार्यशाला, 23 सितम्बर को हिन्दी टंकण प्रतियोगिता एवं 25 सितम्बर को कामकाजी हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई । हिन्दी पखवाड़े का समापन 27 सितम्बर से स्वरचित काव्यपाठ से हुआ। वैज्ञानिक गोष्ठी में श्री कुम्हेर सिंह परमार, श्रीमती संगीता त्रिपाठी एवं डॉ. एन.के.बोहरा समेत ने अपने पत्रों का वाचन किया । इस अवसर पर हिन्दी अधिकारी श्री कैलाश चन्द्र गुप्ता ने राजभाषा नियमों एवं क्रियान्वयनों पर प्रकाश डाला ।

दिनांक 27.09.2013 को हिंदी पखवाडा समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी के सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. नन्दलाल कल्ला ने बताया कि हिंदी को राजभाषा ही नहीं राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता है इसके लिए न केवल हिंदी में कार्य करने वालों को हर स्तर पर प्रयास करना चाहिए । डॉ. कल्ला ने बताया कि हिंदी विश्व के 153 देशों के विश्वविद्यालयों में पढाई जाती है तथा इसमें लगभग 7 लाख से अधिक शब्द है। इस प्रकार यह विश्व की सबसे समृद्ध भाषा है । अन्य देशों में सभी कार्य उनकी राष्ट्रीय भाषा में होता जबकि हमारे देश में आज भी इसके विकास के लिए हिंदी सप्ताह एवं पखवाडा मनाया जाता है। इस हेतु आवश्यकता है कि हम अपनी मनोवृति बदले तथा हर स्तर पर हिंदी में कार्य करने का प्रयास करें। इस अवसर पर आफरी निदेशक डॉ. टी.एस. राठौड ने बताया कि आफरी द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा विस्तार गतिविधियों में हिंदी में कार्य हो रहा है। डॉ. राठौड ने हिंदी में शोध पत्रों के प्रकाशन, विभिन्न सेमिनारों आदि में हिंदी में कार्य करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

समारोह में आफरी के समूह समन्वयक शोध श्री माना राम बालोच ने वैज्ञानिको से अधिकाधिक हिंदी में कार्यकरने का आहवान किया। तथा हिंदी में कार्य करने वालो के लिए अधिकाधिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता बताई। आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस आई अहमद तथा आफरी के सेवानिवृत वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री सी जे के एस के इमेन्युएल ने भी हिंदी में कार्य करने तथा इस हेतु हर स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता बताई ।

<u>हिंदी में कार्य करने हेतु लागू प्रोत्साहन योजना पुरस्कार</u>

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 16.02.1988 के का.ज्ञा. संख्या 11/12013/3/87 रा.भा.(क-2) में किए गए प्रावधान के अंतर्गत राजभाषा विभाग की हिंदी में कार्य करने हेतु लागू प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वर्ष 2012-2013 के लिए पुरस्कार दिया गया।

1	डॉ. नवीन कुमार बौहरा, अनुसंधान अधिकारी	पहला
2	श्रीमती संगीता त्रिपाठी, अनुसंधान अधिकारी	दूसरा
3	श्रीमती अनुराधा भाटी, पुस्तकालयाध्यक्ष	तीसरा
4	डॉ. मीता शर्मा, अनुसंधान अधिकारी	तीसरा

प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वर्ष 2012-2013 के लिए निम्नलिखित कर्मचारियों को राजभाषा विभाग की हिंदी में कार्य करने (हिंदी टंकण, हिंदी में सामान्य कार्य करने हेतु) लागू प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वर्ष 2012-2013 के लिए पुरस्कार दिया गया।

01.	श्री देवेन्द्र सिंह सिसोदिया, प्रवर श्रेणी लिपिक	पहला
02.	श्री लक्ष्मण सिंह राठौड़ सहायक	पहला
03.	श्री जितेन्द्र भाटी, अवर श्रेणी लिपिक	दूसरा
04.	श्री सुरेश चन्द्र ओटवाल प्रवर श्रेणी लिपिक	दूसरा
05.	श्री मनोज चौहान, अनुसंधान सहायक-प्रथम	दूसरा
06.	डॉ. हेमलता, सहायक	तीसरा
07.	श्री अनिल शर्मा, अनुसंधान सहायक-द्वितीय	तीसरा
08.	श्री कुम्हेर सिंह परमार, आशुलिपिक-प्रथम	तीसरा
09.	श्री प्रेम सिंह सांखला, अनु. सहा. द्वितीय	तीसरा
10.	श्री नरेन्द्र कुमार शारदा, आशुलिपिक-प्रथम	तीसरा

हिंदी पखवाड़ा में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं की सूची

क्र.स.	प्रतियोगिता का नाम	विजेता का नाम	स्थान
1.	सामान्य हिंदी प्रश्न मंच	श्री हेमन्त कुमार गागल	पहला
		श्री प्रेम सिंह सांखला	दूसरा
		श्री नरेन्द्र कुमार लिम्बा	तीसरा
		श्री अनिल शर्मा	प्रोत्साहन
2.	अनुवाद प्रतियोगिता	श्री हेमन्त कुमार गागल	पहला
		श्री नरेन्द्र कुमार लिम्बा	दूसरा
		श्री चन्द्र शेखर व्यास	तीसरा
		श्री अनिल शर्मा	प्रोत्साहन
3.	निबन्ध प्रतियोगिता	श्री नरेन्द्र कुमार लिम्बा	पहला
		श्री अनिल शर्मा	दूसरा
		श्री कुम्हेर सिंह परमार	तीसरा
4.	सामान्य प्रशासनिक ज्ञान प्रतियोगिता	श्री नरेन्द्र कुमार शारदा	पहला
		श्री अनिल शर्मा	दूसरा
		श्री लक्ष्मण सिंह राठौड़	दूसरा
		श्री कुम्हेर सिंह परमार	तीसरा
5.	हिंदी टंकण	श्री नरेन्द्र कुमार शारदा	पहला
		श्री देवेन्द्र सिंह सिसोदिया	दूसरा
		डॉ. हेमलता	तीसरा
		श्री जितेन्द्र भाटी	प्रोत्साहन
6.	कामकाजी हिंदी ज्ञान	श्री लादुराम मेहरा	पहला
		श्री कान सिंह राठौड़	दूसरा
		श्री आर. पी. नायक	तीसरा
7.	स्वरचित काव्य पाठ 27 सितम्बर, 2013	कुमारी नूपूर शर्मा	पहला
		डॉ. एन के बोहरा	दूसरा
		श्रीमती संगीता त्रिपाठी	तीसरा
		श्री अनिल शर्मा	प्रोत्साहन

समारोह में आफरी के समूह समन्वयक (शोध) श्री मानाराम बालोच सहित सभी वैज्ञानिक, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।